हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 10 मार्च, 2025

11 बार एसो. के नवनिर्वाचित पदाधिकारी किए सम्मानित

12 रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने स्वर्ण पदक...

लापरवाही: पोल को टूटे हुए बीत चुके हैं दो-तीन दिन

टूटे हुए बिजली के पोल, निगम की खोल रहे पोल, हादसों की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विद्युत निगम की लापरवाही का नमूना देखने को मिला। दो दिन से सरकूलर रोड पर एक बिजली का पोल टूटा हुआ मकान की मंडेर पर टिका हुआ है। पोल पर लगे घरों को जाने वाली बिजली की सप्लाई के मीटर भी जमीन को छूने के नजदीक है।

हो सकता है हादसः ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। हैरानी की बात यह है कि उक्त पोल को टूटे हुए दो तीन दिन बीत चुके है,लेकिन विद्युत निगम में अभी तक इस तरफ कोई ध्यान ही नहीं दिया। यहां तक कि इस बारे में निगम के अधिकारियों को शिकायत दी जा चुकी है। उसके बावजूद इतनी लापरवाही बरती जा रही है।

पोल को अज्ञात वाहन ने मार दी थी टक्कर

बताते हैं कि दो दिन पहले किसी अज्ञात वाहन ने उक्त पोल को टक्कर मार दी थी। जिसके बाद पोल टूट कर मकान की छत की मंडेर पर टिक गया। अगर मकान की छत पर पोल नहीं टिकता तो जमीन पर गिर जाता। इसके अलावा पोल टूटने के बाद दूसरा सिरा सड़क पर टिक गया। दूसरे छोर पर बिजली के मीटर लगाए हुए है। पोल टूटने के बाद बिजली के मीटर जमीन पर टिकने वाले है।

लाइटों के तार भी पड़े हैं खुले

कोई भी व्यक्ति या बच्चा इन बिजली के मीटर व तारों को छू सकता है। जिस वजह से कभी भी हादसा हो सकता है। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इस बारे में कई बार निगम को सूचना दी गई,लेकिन अभी तक इस टूटे हुए पोल को न तो उठाया गया है और न ही इसकी जगह दूसरा पोल लगाया गया है। जिसके चलते क्षेत्र में कोई दुर्घटना घटने की आशंका बनी हुई है। इसी तरह हांसी गेट से लेकर घंटाघर चौक तक के डिवाडर पर लगी लाइटों के तार भी खुले में है। जो कि वहां से गुजरने वाले लोगों को कभी भी छूने का भय बना हुआ है।

अभी भी लौहे के खंभे

कुछ हद तक विद्युत निगम ने लौहे के पोल को हटा लिया,लेकिन अभी भी अंदरूनी शहर में कई जगहों पर लौहे के पोल लगे है। उन्हीं से बिजली की सप्लाई जारी है। अगर थोड़ी सी बारिश या शिलन बढ़ी तो इन पोल में करंट आना लाजिमी है। जो कि बस्ती में लौहे के पोल होने की वजह से हमेशा दुर्घटना घटने का अंदेशा बना हुआ है। आज मौसम में अचानक बदलावा आया है। अगर हलकी सी बारिश हुई तो टूटे हुए पोल व लौहे के पोल में करंट आने की आशंका बन जाएगी। क्षेत्र के लोगों को इन्हीं बातों का डर पूरी तरह से सता रहा है।

खबर संक्षेप

चौपाल में आपत्तिजनक शब्द लिखने का आरोपित दबोचा

तोशाम। तोशाम पुलिस ने ढाणी रिवासा में चौपाल धर्मशाला पर आपत्तिजनक शब्द लिखने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। ढाणी रिवासा निवासी शिकायतकर्ताओं ने थाना तोशाम पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें शिकायतकर्ताओं के द्वारा पुलिस को बताया था कि पांच मार्च की रात को उनके समाज की गांव में स्थित धर्मशाला पर असामाजिक तत्वों के द्वारा आपत्तिजनक शब्द लिख दिए थे। इसी मामले में गिरफ्तार आरोपी की पहचान कमल निवासी ढाणी रिवासा, के रूप में हुई है।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन का अधिवेशन 30 को

भिवानी। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा की आवश्यक बैठक राज्य प्रधान बाबूलाल यादव की अध्यक्षता में रोडवेज भवन रोहतक में सम्पन्न हुई। मंच संचालन राज्य महासचिव कुलभूषण शर्मा ने किया। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के जिला चुनावों की रिपोर्ट ली। बैठक में राज्य अधिवेशन व कार्यकारिणी के चुनाव के लिए 30 मार्च को महेंद्रगढ़ में अधिवेशन का फैसला सर्वसम्मति से लिया।

कंवर साहेब महाराज ने दिए प्रवचन

दुनियादारी में सतगुरु के बिना कोई किसी का मीत नहीं : कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब।

गुरु राजी तो कर्ता राजी। जिस पर गुरु की रजा मेहर होती है उसके वारे न्यारे हो जाते हैं। गुरु आपका हर वक्त ख्याल रखते हैं। जो गुरु को मानस रूप समझता है और उनसे घात करता है उसके साथ काल बड़ा उत्पात करता है। स्वयं के दोष हटा कर ही हम गुरु भक्ति के काबिल बन सकते हैं। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने जींद के भिवानी रोड पर स्थित राधास्वामी आश्रम में संगत की हाजरी के समक्ष फरमाए। हुजूर कंवर साहेब महाराज ने कहा कि पतिव्रता स्त्री और शिष्य का ख्याल एक जैसा ही होता है। पतिव्रता स्त्री जैसे अपने पति के सिवाय किसी का ख्याल एक नहीं करती वैसे ही सच्चे शिष्य को भी सतगुरु के अलावा किसी का ख्याल नहीं आता। उन्होंने कहा कि यह सत्य है कि इस दुनियादारी में सतगुरु के बिना कोई किसी का मीत नहीं है।

सतगुरु परमात्मा से भी बढ़कर है क्योंकि जब जरूरत पड़ी तो परमात्मा नहीं सतगुरु ने ही हमें उससे निकलने की युक्ति सुझाता है। हुजूर साहेब ने कहा कि अपने जीवन को चरित्रवान बनाओ, अच्छे कार्यों का के लिए बनाओ क्योंकि जीवन हमें इसलिए नहीं मिला था कि हम आगे पीछे की कुछ नहीं सोचे और बदकर्म करें। हम ख्याल क्यों नहीं करते कि हम इस दुनिया में क्यों आए थे। इंसान अपने क्षणिक शौक के लिए दूसरों को कितनी तकलीफ देता है।

उन्होंने कहा कि भक्ति का मूल सत्य है अगर ये नहीं है तो भक्ति सुलभ नहीं है। सच बोलने वाले को बेशक इस लोक में कष्ट सहना पड़ जाए परंतु उस लोक में उसके ठाठ ही ठाठ हैं। हुजूर महाराज ने कहा कि सच्चे मन से लिया गया नाम तो उस चिंगारी की भांति है जो लाखों टन जमा विषयों रूपी घास को जला कर राख कर देती है।

हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि जिनके घरों में प्यार प्रेम है। मां बाप सास ससुर की सेवा है। धर्म और आदर्श की स्थापना है,उनके लिए तो आज भी सतयुग है। उन्होंने कहा कि स्वार्थ और आपाधापी के जीवन ने इस समाज को दूषित किया है।

जो समय रहते नहीं चेता वह सदा पछताता है

गुरु महाराज ने कहा कि ये जीवन भोग है जो रोग को बढ़ाता है और इसमें उलझने वाले को अदा शोग रहता है। उन्होंने बुल्लेशाह का जिक्र करते हुए कहा कि जो समय रहते नहीं चेता वह सदा पछताता है। नाम के रसिया बनो ताकि दुनिया के पदार्थ आपको फीके लगने लगें क्योंकि जब वो रस आता है तो यह रस नहीं भाता है। गुरु से तोड़कर आप किसी से जुड़ नहीं पाओगे। इसलिए सत्य मार्ग पर चलो,सेवाभक्ति अपनाओ,परहित परोपकार करो,सबका आदर मान करो।किसी का दिल मत दुखाओ क्योंकि क्या परमात्मा किस रूप में आपके सामने आ जाए। जो बुरा करता है उसे करने दो लेकिन आप बुरा मत करो।

रोहनात में खेत से सौर उर्जा की मोटर चोरी, मामला दर्ज

बवानीखेड़ा। गांव रोहनात में एक किसान के खेत से सौर उर्जा की मोटर चोरी हो गई। किसान ने इसकी शिकायत पुलिस में दी। पुलिस में दी शिकायत में मांगेराम ने बताया कि उसके खेत में उसने शक्ति कंपनी की सौर उर्जा की 3एचपी की मोटर लगवाई हुई है। शनिवार सांय 7 बजे तक ये सही हालात में थी सुबह जाकर देखा तो ये चोरी पाई गई। मेरे द्वारा कंपनी से 54000 रुपए का सेट लगवाया था। जो अज्ञात के द्वारा चोरी कर लिया। पीड़ति किसान ने इसकी शिकायत पुलिस में दी।

कई युवको ने की पड़ोसी से मारपीट, गंभीर हालत में डायल 112 ने पहुंचाया अस्पताल

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के वार्ड नंबर 14 में नजदीक तोशाम फाटक के पास गाड़ी खड़ी करने को लेकर रविवार हुई दो पक्षो में हुई मारपीट में एक युवक को गंभीर चोटें आई है। उस युवक पर वार्ड के ही उनके पड़ोसीआधा दर्जन युवको ने हीं की मारपीट करके उसे घायल कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को डायल 112 पर दी। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची तथा घायल को कस्बे के नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए लेकर आई। रविवार सुबह दो पक्षो में मारपीट का मामला सामने आया। पड़ोसी युवको ने ही एक युवक से मारपीट कर घायल कर दिया। परिजनों ने बताया कि आज सुबह बलजीत घर पर ही था तो आधा दर्जन युवको ने मारपीट की।

डी ए वी पुलिस पब्लिक स्कूल
पुलिस लाइन, भिवानी (फ़ोन 8813088905)

निविदा सूचना (टेंडर) - 2025-26

निम्नलिखित सेवाओं के लिए निविदा (टेंडर) आमंत्रित की जाती हैः

सिक्योरिटी एजेंसीः सिक्योरिटी गार्ड, पियन, आया, बस कंडक्टर, ड्राइवर, माली, गार्ड , सफाई कर्मचारी आदि उपलब्ध करवाने हेतु ।

किराए के लिए स्कूल बसः स्कूल के बच्चों को लाने / ले जाने के लिए क्रूजर/बस उपलब्ध करवाने की इच्छुक पार्टियां।

उपरोक्त कार्यों/ सेवाओं हेतु इच्छित व्यक्ति/ फर्म मोहरबंद लिफाफे में अपनी निविदा 17 मार्च 2025 तक स्कूल ऑफिस में जमा करवा सकते हैं। कोई भी जानकारी के लिए कार्यालय में मिलें।

प्राचार्या
डी ए वी पुलिस पब्लिक स्कूल, भिवानी

शिविर में 52 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की

भिवानी। विश्व मानव रूहानी केन्द्र द्वारा शाखा भिवानी द्वारा रक्तदान स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन मनत अस्पताल के चिकित्सकों ने डॉ. सुनीता दूहन की देखरेख में किया। शिविर में 52 लोगों के बीपी, सुगर, बुखार व अन्य बीमारियों की जांच की तथा उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की। डॉ. सुनीता ने उपस्थितजनों को जागरूक करते हुए कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हमारा शरीर स्वस्थ होगा तभी हमारा मन स्वस्थ होगा और हम अपने परिवार की तरफ ध्यान दे सकेंगे। संस्था के सदस्य रोहतास कुमार, रामकिशन, उल्फतसिंह, राजपाल सांगवान, अनिता, नरेन्द्र चौहान व आनंद प्रकाश ने बताया कि विश्व मानव रूहानी केन्द्र एक परोपकारी एवं अध्यात्मिक संस्था है जोकि संत बलजीत सिंह के द्वारा सिखाए गए नैतिक जीवन, आध्यात्मिक और ध्यानाभ्यास पर आधारित कार्यक्रमों और जनकल्याण के लिए विभिन्न प्रकार के समाजसेवी कार्यों का आयोजन करती रहती है, इसी के तहत भिवानी शाखा द्वारा प्रत्येक रविवार को स्वास्थ्य जांच शिविर तथा समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

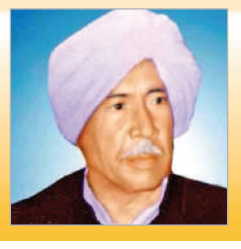

लोककवि

दयाचंद मायना हरियाणवी बोली के कवि थे। वे हरियाणा के अब तक के सबसे महत्वपूर्ण कवियों और लोकगीत कलाकारों में से एक हैं। उनका जन्म 10 मार्च 1915 को हरियाणा (तत्कालीन पंजाब) के रोहतक जिले के मायना गांव में एक वाल्मीकि परिवार में हुआ था। उन्होंने हरियाणवी सांग और रागनी का बेहतरीन निर्माण किया। उन्होंने 21 किस्सा (हरियाणवी में नाटक) और 150 से अधिक रागनियां (हरियाणवी में कविता) लिखीं। 20 जनवरी 1993 को उनका निधन हो गया।

जन कल्याण के रचनाकार कहलाए शिवचरण

जयंती विशेष

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे, जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा

प्रसिद्ध लोककवि एवं भजनोपदेशक शिवचरण का जन्म 9 मार्च 1929 को फाल्गुन मास की त्रयोदशी को महाशिवरात्रि के दिन दिल्ली देहात के ऐतिहासिक गांव नांगल ठाकरान में हुआ। शिवरात्रि के दिन जन्म होने के कारण ही इनका नाम शिवचरण रख दिया गया। इनके पिता का नाम मलूक राम तथा माता का नाम प्रेमकौर था। चार वर्ष की आयु में ही पिता का साया इनके सिर से उठ गया और इनका पालन-पोषण इनके पितृव्य निहालचंद 'निहाल' द्वारा किया गया। गौरतलब है कि निहालचंद 'निहाल' अपने समय के प्रसिद्ध लोककवि एवं लोकनाट्यकार (सांगी) थे। उनका संरक्षण प्राप्त होने के कारण बचपन से ही इनके मन में संगीत के प्रति गहरा लगाव पैदा हो गया। इन्होंने आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की।

पंद्रह-सोलह वर्ष की आयु में इनकी दिल्ली क्लाथ मिल में नौकरी लग गई। जहां संयोग से इन्हें संगीत का शौक एवं जानकारी रखने वाले कई सहयोगी मिल गए। अब इनके पास जब भी खाली समय होता था, ये सभी वहीं अपना गायन, वादन का अभ्यास कर लेते थे। कुछ समय बाद इन्होंने अपनी पूरी भजन-मंडली बना ली। इनके कार्यक्रमों में अधिकतर देशभक्तिपूर्ण, आध्यात्मिक व शिक्षाप्रद भजन व रागनी होते थे। इनके कार्यक्रमों का लोगों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता था। इसके साथ-साथ ये समाजसेवा के कार्यों में भी अत्यधिक रुचि रखते थे। कुश्ती के शौकीन, मीठी-वाणी और परोपकार की प्रवृत्ति रखने वाले शिवचरण विशाल हृदयी थे तथा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' में विश्वास रखते थे। एक बार गांव नांगल ठाकरान में उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए कुएँ में गिरे एक बच्चे को बचाया तो दूसरी बार किसी कारण से दो गुटों में बंटे मांढोठी गांव के ग्रामीणों को एक स्थान पर बुलाया और उनके गिले-शिकवे दूर करवाए। जिससे सारा गांव दोबारा एकजुट हो पाया। इस पर गांव के प्रधान ने इनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि महाशय जी, आज आपने हमारे गांव को टूटने से बचा लिया। इस सुकृत के लिए हमारा गांव सदा आपका ऋणी रहेगा। इस प्रकार के अनेक प्रसंग इनके नाम के साथ जुड़े हुए हैं। लोककवि शिवचरण एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी थे। अपने पितृव्य एवं गुरु निहालचंद 'निहाल' की तरह इनके कंठ में भी मां सरस्वती का वास था। इनका गाना सुनकर श्रोता आत्मविभोर हो उठते थे। वस्तुतः इनके तीन गुरु थे। पहले, निहालचंद 'निहाल' जिनसे इन्होंने काव्य रचना और गायन विधा का ज्ञान प्राप्त किया। दूसरे, बिजवासन निवासी भूपसिंह जिनसे इन्होंने हारमोनियम बजाना सीखा और तीसरे स्वामी परमहंस, जो इनके आध्यात्मिक गुरु थे। इनकी अपने तीनों गुरुओं के प्रति अगाध श्रद्धा थी। अग्रदत्त पंक्तियों में इनके तीनों गुरुओं का वर्णन किया गया है-

'निहाल' भूपसिंह परमहंस जी तीनों को गुरु मान लिया।
गाणा और बजाणा लिखणा ब्रह्मविद्या का ज्ञान लिया।
खूब कर्या प्रचार ज्ञान का दूध और पाणी छान लिया।
सही बात है सही आदमी फेर लोगां नै भी जान लिया।
देश धर्म केगाणे मैं ला अपनी उम्र तमाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए।।

लोकगायकों और सांगियों में अपने गायन के श्रीगणेश में मंगलाचरण व गुरु-स्मरण की परंपरा देखने को मिलती है। वे भी अपने कार्यक्रम का आगाज इसी प्रकार करते थे। उदाहरण के लिए मां भवानी की भेंट के कुछ अंश प्रस्तुत हैं-

अजब तेरी शान का री, कोन्या भेद किसी नै पाया।।
कहै शिवचरण सभा मैं आओ, माई गाणे मैं रंग बरसाओ, मुझ मूर्ख को सही बताओ,
रास्ता ज्ञान का री, ध्यान मनै थारे चरणां मैं लाया॥

लोककवि शिवचरण के व्यवहार, चरित्र एवं जन्मस्थली आदि के सन्दर्भ में उनके परिजनों एवं पुरजनों से प्राप्त जानकारी के साथउनके काव्य से भी इसकी यथेष्ट जानकारी मिलती है। जैसे-

शिवचरण नै थारा विश्वास सै,
मन मैं पूरी - पूरी आस सै,
मेरा खास सै नांगल गाम, सच्चा धाम,
मुख से नाम,राम जी का टेरा जी।।

उनके काव्य में लोकाचार के दर्शन होते हैं। लोकजीवन में कन्यादान को सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है, जो व्यक्ति अपनी जवान बेटी का विवाह समय पर नहीं कर पाता तो उसकी निंदा होती है। अतः लोकनिंदा से बचने के लिए

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार-प्रसार में जुटे रहे

द्रौपदी की माँ राजा द्रुपद से अपनी बेटी के हाथ पीले करने का अनुरोध करती है। वह राजा को उसके कर्त्तव्य का बोध इस प्रकार करवाती है-

स्याणी बेटी-भाण कंवारी, ना ठीक बाप के घर पै।
गृहस्थ-धर्म की रीत पुराणी, फर्ज बाप के सिर पै।।

हमारी संस्कृति की बिसात तप, त्याग, दया, धर्म, पुण्य, दान आदि अनेक उदात्त तत्त्वों से बुनी गई है। गृहस्थ आश्रम को सब से श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि अन्य सभी आश्रम इसी पर आधारित हैं। कवि ने समाजोपयोगी लोकाचार को अपनाने का उपदेश इस प्रकार दिया है-

दया धर्म और शील-सुभा लक्ष्मी का वास कहैं सैं।
इस गृहस्थ धर्म नै वेद-शास्त्र, भक्ति खास कहैं सैं।।
अपणा-अपणा फर्ज समझ कै, पूरा प्रण निभावैं।
माँ-बाप करैं सो बेटा-बेटी, न्यूँ दुनिया कहती आवै।
मात-पिता का फर्ज बालकाँ तै, आच्छी बात सिखावै।
लिखा-पढ़ा कै करैं श्यामर्थ, जिन्दगी सफल करावै।

लोकजीवन में श्रद्धा-भक्ति की मन्दाकिनी अबाध गति से प्रवहमान है। अशिक्षित एवं अर्धशिक्षित लोगों की धर्म एवं भक्ति में अगाध आस्था है। इन्होंने लोकमानस की इस आस्था को बनाए रखने एवं इसे और पुष्ट करने के लिए लोगों को इस प्रकार सचेत किया है-

नहीं मरे का शोक किसे नै, बिरथाए जिंदगी खो चाल्या।
लोक परलोक बिगाड़े दोनों ना मनुष जन्म हर बार मिलै।।
निहालचंद सतगुरु के संग मेरा जन्म-जन्म का नाता है।
पूरी शक्ति मिलै गुरुमुख नै जो शरण गुरु की जाता है।
भक्ति-दान गुरु से मिलता वो ब्रह्मविद्या का दाता है।
जिस पै मौज गुरु की होज्या वो परमगति को पाता है।
शिवचरण पै मेहर फेर दयो जो सार शब्द का तार मिलै।।

लोककवि शिवचरण की रचनाओं में जीवन के सभी आयाम सहज रूप से उद्घाटित हुए हैं। सामाजिक सरोकारों एवं नैतिक मूल्यों के साथ-साथ देशप्रेम की भावना भी उनके काव्य में हिलोरें मार रही है। सन् 1965 के भारत-पाक युद्ध के उपरान्त दिल्ली में कड़ेखां नामक स्थान पर तत्कालीन लोककवियों के मध्य देशप्रेम के गीतों से सम्बद्ध एक प्रतियोगिता हुई, जिसमें इनके अग्रदत्त राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत गीत को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ-

भारत माँ के पूत ऊठ इब, देर तनै क्यूँ लाई।
पाकिस्तान मानता ना करी हिन्द नै बहोत समाई।।

पुराने समय में नैतिक मूल्यों की बड़ी कद्र थी। बड़े-बूढ़ों का आदर सम्मान था लेकिन समय ने करवट बदली और समाज का सारा ताना-बाना बिखरने लगा। ऐसी भयंकर स्थिति को देखकर कविवर शिवचरण का मन अकुला उठा। समाज को दशा एवं दिशा दिखाती उनकी अग्रदत्त रचना की एक-एक पंक्ति गौर करने लायक है-

कई लड़की हों जिस माणस कै, उसकी श्यामत आवै सै।
लड़का देखण की सोचै जब, पहल्याएँ घबरावै सै।
बेशक लड़का अनपढ़ हो पर, उलट-पुलट बतळावै सै।
नगद दान लाखों मैं पोंहचै, अर कार - स्कूटर चाहवै सै।
फेरे लेकै दें छोड़ फेर भी, न्यूँ जीणा दुश्वार होया।।
सतपुरुषों की कद्र रही ना, झूठ्याँ का विस्तार होया।।

जीवन के अंतिम वर्षों में इनका अधिकतर समय हरि भजन में व्यतीत होने लगा। स्वर्गवास से कुछ दिन पहले अचानक इनका स्वास्थ्य ज्यादा खराब हो गया। दवाइयों ने भी कोई असर नहीं दिखाया। 10 जनवरी 1997 को सवेरे के समय इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम', पास बैठे थे, उनको परोपकार, समाजसेवा और अन्य शुभ कार्यों के लिए प्रेरित किया और अपनी एक प्रसिद्ध रचना की निम्नलिखित पंक्तियां सुनाते हुए परमधाम के लिए प्रस्थान कर गए-

दान-पुण्य करणे तै मनुष की कला सवाई होज्या।
बणा कुएं बाग स्कूल धर्मशाला सफल कमाई होज्या।
धर्म - कर्म नहीं छुपै कुटुंब की मान-बड़ाई होज्या।
शिवचरण वरदान मिलै खुश दुर्गे माई होज्या।
सतगुरुजी की मेहर फिरै जब शिष्य नै पास कहैं सैं।।

कविवर शिवचरण जीवनभर लोकरंजन एवं लोकमंजन के लिए काव्य-साधना और लोकसंस्कृति के प्रचार, प्रसार में जुटे रहे। उन्होंने लोक-कल्याण में अपना सारा जीवन लगा दिया। इनके निधन के उपरान्त इनके अनेक शिष्य इनकी परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं, जिनमें सुरेश रोहिल्ला, महेन्द्र सिंह व रामबीर सिंह 'राम'प्रमुख हैं। इनके सुपुत्र रामबीर सिंह 'राम' उनके ही संस्कारों से आज हरियाणवी साहित्यकारों में उच्च सम्मान पाते हैं। 'राम' विशेष रूप से काव्य-रचना में सक्रिय हैं। उन्होंने कविराज शिवचरण के जीवनवृत्त को एक भजन के रूप में प्रतिपादित किया है। उसके कुछ अंश पेश हैं-

पिता छोड़ कै चल्या गया मनैं ढूंढ्या बहोत मिल्या कोन्या।
साच बताऊँ तात बिना कदे मन का चमन खिल्या कोन्या।
सिर पै धर दिया हाथ साथ ले रामबीर का प्रणाम गए।।
छोड़ दिया परिवार नार संसार पहुँच धुर धाम गए।।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि लोककवि शिवचरण अपने समय के एक सशक्त हस्ताक्षर थे। जिन्होंने अपनी काव्य प्रतिभा से जनमानस में एक नई जागृति लाने का स्तुत्य प्रयास किया। उनका लोक साहित्य और महान व्यक्तित्व युवाओं को श्रेष्ठ साहित्य रचना और सार्थक जीवन जीने की प्रेरणा देता रहेगा, ऐसा हमारा विश्वास है।

कुण्डलिया **सत्यवीर नाहड़िया**

फाग्गण खूग्या वो दिखे...

न्यारी होवै थी कदे, फाग्गण की सौगात।
इब फाग्गण की ना रह्यी, पहलम आळी बात।
पहलम आळी बात, रात नै गाया करते।
बजा नगाड़े-ढप्प, चुगरदे छाया करते।
बड़ी-बूढ़ळी साँग, काढ़ती मिलकै सारी।
रात चाँदणी बीच, छटा होवै थी न्यारी।।

त्यारी डांडे तै सदा, होया करती खास।
भाईचारा आपसी, आया करता रास।
आया करता रास, आस नित नयी जगाते।
ढाल-बिड़कले गैल, कूकड़ी भोत बणाते।
ऊँच्ची होळी रोज, बणाते मिलकै भारी।
गाकै होळी भोत, हुवै थी न्यारी त्यारी।।

फाग्गण खूग्या वो दिखे, नहीं बच्यी वै बात।
भाईचारा ना रह्या, बदल्ये न्यूँ हालात।
बदल्ये न्यूँ हालात, टांड पै धरे नगाड़े।
गोबर-गारा गैल, धुत्त हो करते खाड़े।
चाल्ली पछवा पौन, रीत न्यूँ लाग्ये त्यागण।
गूँज्या करता भोत, रात चाँदण म्हैं फाग्गण।।

कविता **इंद्र सिंह लांबा**

हर की भूमि

धन्य धन्य धरा हरियाणा हर की भूमि कहलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

श्री कृष्ण नैं कर्म करण की जो बात कही सै गीता मैं।
यहां कर्मठता से दिखा दिया विश्वास उन्हीं की रीता मैं।
यहां तीज त्यौहार हंस खिल के आते, रहणा प्यार प्रीता मैं।
सांझ ढले चौपाल बैठकर जिक्र चालैं मीता मैं।

खेल खिलाड़ी म्हारे अगाड़ी, धरती मां इतराती है।
ज्ञानी, ध्यानी, वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सूरदास और ऋषि दयानंद यहां हुए तपधारी थे।
नाहर सिंह और तुला राव सदा अंग्रेजों पर भारी थे।
नेकीराम और श्रीराम शर्मा आजादी के पुजारी थे।
चंदगी राम और लीलाराम बड़े पहलवान बलकारी थे।

शिवालिक और अरावली पर्वत चोटी दिखलाती है।
ज्ञानी ,ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां ,लिखवाती है।
ढ़फ, ढ़ोल , नगाड़े बाजैं जोगी सारंगी पर गाते हैं।
वीरों का इतिहास सुना हर दिल में जोश जागते हैं।।

पावन पवित्र स्थल देखने लोग दूर से आते हैं।
पेहवा, फल्गु, कुरुक्षेत्र भक्तों के बंध रहे तांते हैं।
सतलुज, यमुना, सरस्वती धरती की प्यास बुझाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।

सांगी,भजनी,प्रचारक तत्काल मेरे हरियाणा मैं।
कवि मोहर सिंह ,बख्तावर, नंदलाल मेरे हरियाणा मैं।
लखमी , मांगे, बाजे ,धनपत, निहाल मेरे हरियाणा मैं।
फिल्म निर्देशक प्रभाकर, यशपाल मेरे हरियाणा मैं।।

नई बुलंदी छूणे के संस्कार हमें सिखलाती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।
कहे इंद्र लाम्बा नर और नारी मिल के खेत कमाते हैं।
तारों की छाया में जाते तारों की छांव आते हैं।।

बढ़िया खेती बाड़ी सोना बालों में उपजाते हैं।
सादा रहणा सहणा और दूध, दही , घी खाते हैं।
तेरा वंदन तेरा पूजन दुनिया शीश झुकती है।
ज्ञानी ध्यानी वेदव्यास से वेद यहां लिखवाती है।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

रोचक **करीब 150 वर्ष के दौरान विभिन्न परिवर्तनों के दौर से गुजरा है हरियाणा**

कई विलय, विघटन के बाद बना वर्तमान हरियाणा

इतिहास **यशपाल गुलिया**

कुछ जागरूक एवं जिज्ञास पाठकों ने मेरे पिछले लेख बारे प्रश्न उठाया कि हरियाणा तो पंजाब से बना है। ऐसे पाठकों के ज्ञानवर्धन के लिए मैं 150 वर्ष के विभिन्न परिवर्तनों के बारे में अवगत करवा देता हूं। वर्ष 1802 में नवस्थापित हरियाणा राज्य का आयरिश शासक तो स्वर्ग सिधार गया, लेकिन अगले ही वर्ष 1803 में दिल्ली पर अंग्रेज सत्ता स्थापित हो गई।

उन्होंने दिल्ली के तीन तरफ स्थित क्षेत्र को विभिन्न रियासतों व नवाबियों में वितरित कर दिया। जॉर्ज थॉमस द्वारा गठित हरियाणा प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्र को झज्जर रियासत व दुजाना रियासतों को प्रदान कर दिया। जैसे झज्जर रियासत में नारनौल, महेन्द्रगढ़, कांटी तथा बावल तक का क्षेत्र दे दिया गया। वहीं, दुजाना नवाब को नाहड़, भिवानी, हांसी, हिसार तक क्षेत्र दिया गया, जिसका उसने 1809 में स्वेच्छा से परित्याग कर दिया। अंग्रेजों ने दिल्ली पर अधिकार करने के बाद अन्य नई रियासत मेवता, पटौदी व लौहारु आदि भी बना डाली। जबकि अंग्रेज शासक से पहले कायम रजवाड़े, नवाबी आदि यथावत बने रहने दिए। क्योंकि उन्होंने न केवल अंग्रेज प्रभुसत्ता को सहर्ष स्वीकार किया बल्कि अंग्रेजों की हर प्रकार से सहायता भी की, जैसे फरुखनगर, बल्लभगढ़, बहादुरगढ़, झाड़सा, कुन्जपुरा, जीन्द, कैथल, नारायणगढ़, रानियां आदि रजवाड़े पहले से स्थापित हो चुके थे। इस तरह जॉर्ज थॉमस द्वारा स्थापित हरियाणा राज्य का नाम तब लुप्त

अंग्रेजों ने 1804 में झज्जर रियासत बनाई थी। रियासत का यह महल अब गिरा दिया गया है।

प्राय हो गया। अंग्रेजों ने प्रशासनिक व्यवस्था के तहत 1810 के बाद वर्तमान हरियाणा क्षेत्र में नये जिले बनाने की प्रथा भी आरम्भ कर दी थी और तब पंजाब सतलुज नदी के पार वाले क्षेत्र को कहा जाता था जिसकी राजधानी लाहौर थी। उस समय पंजाब का शक्तिशाली शासक महाराजा रणजीत सिंह था, जिससे अंग्रेजों ने चालाकी पूर्ण सन्धि कर ली थी। अर्थात महाराजा के जीवित काल वर्ष 1839 तक तो अंग्रेज लाहौर तक नहीं गए लेकिन उसके बाद वर्ष 1849 तक सिखों से कई युद्ध करके समस्त पंजाब (वर्तमान पाकिस्तान) पर अधिकार कर बैठे। उसके कुछ वर्षों बाद स्वाभिमानी भारतीय सैनिकों ने 1857 का विद्रोह कर दिया और चार माह तक दिल्ली अंग्रेजों से मुक्त हो गई थी। परन्तु सत्तालोलूप कुछ पंजाब शासकों ने अंग्रेजों को सैन्य सहायता देकर दिल्ली पर उनका शासन फिर से कायम करवा दिया।

वर्ष 1858 से अंग्रेजों ने भी प्रशासनिक परिवर्तन करके न केवल वर्तमान हरियाणा क्षेत्र बल्कि दिल्ली को भी एक जिला बनाकर पंजाब सूबे के तहत कर दिया तब पंजाब सूबे की राजधानी लाहौर में थी तथा दिल्ली, वर्तमान हरियाणा व हिमाचल क्षेत्र सहित 32 जिलों का राज्य बना दिया था। उसके बाद वर्ष 1912 से दिल्ली को पंजाब से अलग कर दिया गया क्योंकि अंग्रेजों ने 1912 से कलकत्ता से राजधानी दिल्ली स्थानांतरित कर दी थी। लेकिन हरियाणा व हिमाचल को 1966 से ही अलग राज्यों का दर्जा प्राप्त हो सका। अर्थात नए हरियाणा का उदय वर्ष 1966 में एक नवंबर को हुआ।

विशेष : लेखक ने शोध शैली की विभिन्न पुस्तकें लिखी हैं।

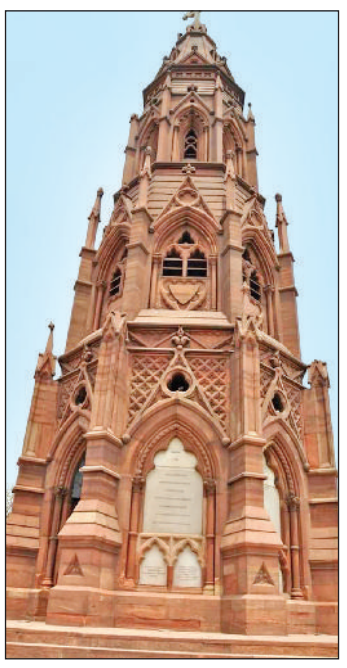

अंग्रेजों द्वारा दिल्ली में बनाया गया 1857 का स्मारक।

संस्कृति संवर्धन में कला की अहम भूमिका : प्रदीप जेलपुरिया

कलाकार **ओ.पी पाल**

हरियाणा की समृद्ध संस्कृति को संजोए रखने के लिए लोक कलाकार अलग-अलग विधाओं में अलख जगा रहे हैं। सूबे के लोक कलाकारों और गीतकारों ने देश में ही नहीं, वरन् विदेशों में भी अपनी छाप छोड़ी है। ऐसे ही विख्यात कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने मिमिक्री और मंच संचालन के साथ अपने गीतों की बेहतरीन प्रस्तुतियों से लोकप्रियता हासिल की है, वहीं वह जेल विभाग में सेवा देते हुए कैदियों को भी संस्कृति और संस्कारों की सीख दे रहे हैं। मिमिक्री के साथ रागनी गायन, एंकरिंग, कविता लेखन के माध्यम से सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और खेल जैसे समारोह में एंकरिंग की भूमिका में बुलंदियां छू रहे कलाकार प्रदीप जेलपुरिया ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अपनी कला के सफर में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें अपनी संस्कृति का संवर्धन करना उनकी कला की प्राथमिकता है।

हरियाणा के विख्यात मिमिक्री कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का जन्म जिला झज्जर के शहर बहादुरगढ़ में 29 दिसंबर 1983 को दलीप सिंह और कृष्णा देवी के घर में हुआ। उनके पिता एक सरकारी स्कूल में अध्यापक और माता गृहिणी के रूप में परिवार की जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। परिवार में भले ही साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल न हो, लेकिन उनकी माता पड़ोसियों की जिस अंदाज में मिमिक्री करती थी, उसका प्रभाव बचपन में ही प्रदीप पर पड़ने लगा। इसी कारण उन्हें

बचपन में ही अभिनय जैसी कला में अभिरुचि हो गई थी और वह एक्टरों की मिमिक्री करने लगे। प्रदीप की प्राथमिक शिक्षा सरकारी स्कूल एवं माध्यमिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय रेवाडी से हुई। जबकि बीए दिल्ली विश्वविद्यालय के अंबेडकर कालेज और एमए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से उत्तीर्ण की। बकौल प्रदीप जेलपुरिया, वह स्कूली शिक्षा के दौरान नाटकों में मंचन और मिमिक्री करने लगे। जब वह सातवीं कक्षा में थे तो उन्होंने पहली बार अपने प्रिंसिपल की मिमिक्री की, इस पर प्रिंसिपल ने उसे डांटने या पीटने के बजाय इस कला के लिए प्रोत्साहित किया। वह स्कूल के कार्यक्रमों में नाटकों में अभिनय मंचन और मिमिक्री करने लगे। उन्होंने बताया कि एमडीयू में एमए के दौरान पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित आल इंडिया पुलिस गेम (घुड़सवारी) में उन्होंने बतौर एंकर की भूमिका निभाई। उनकी उपलब्धियों को देखकर ग्रैपलिंग गेम में कल्चरल अफेयर्स का निदेशक बनाया गया, जिसके तहत उन्होंने ग्रैपलिंग गेमों में कई वर्ष एंकरिंग की। इसके अलावा झज्जर बहादुरगढ़, रोहतक, रेवाडी, फरीदाबाद एवं नूहं के गीता महोत्सव में भी एंकरिंग की। एंकरिंग के साथ हरियाणवी संस्कृति को संजोए रखने के लिए मुहिम छेड़ी और हरियाणा रागनी का मंचन भी किया और हरियाणवी गाने '70 का हरियाणा' में भी भूमिका निभाई। गत वर्ष 2024 में विशाखापटनम, राजीव गांधी स्टेडियम दिल्ली, छत्रसाल स्टेडियम दिल्ली एवं तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एंकरिंग एवं हरियाणवी गानों से सबका मन मोहा है। इनका कहना है कि हरियाणवी बोली और संस्कृति का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करना उनकी प्राथमिकता है। जीवन में उतार चढ़ाव आते हैं, लेकिन उन्होंने उस हालातों में भी हौसला नहीं खोया, जब कुछ साल पहले पैरालिसिस के कारण उनका चेहरा खराब होने लगा था। उनकी विभिन्न कलाओं का फोकस हरियाणवी संस्कृति और संस्कारों पर रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

अभिनय, गीतों और लेखन के साथ मिमिक्री की कला में विख्यात होते कलाकार प्रदीप जेलपुरिया को कालेज शिक्षा के दौरान दिल्ली यूनिवर्सिटी आंबेडकर कॉलेज से सर्वश्रेष्ठ मिमिक्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें हरियाणा गौरव पुरस्कार, झज्जर गौरव पुरस्कार के अलावा गृह विभाग के एसीएस विजय वर्धन और जेल महानिदेशक भी पुरस्कार से नवाज चुके हैं। इसके अलावा उन्हें विभिन्न मंचों से अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

कैदियों को दे रहे हैं संस्कृति की सीख

कलाकार प्रदीप जेलपुरिया का साल 2003 में जेल विभाग में सिपाही के पद पर चयन हुआ। नौकरी के बावजूद उनकी कलाकारी का जज्बा जीवित रहा। जेल के माहौल में रहकर उन्होंने कविता लिखना शुरू किया और जेल में कैदियों को संस्कृति और संस्कार देने का काम शुरू कर दिया। विभाग ने भी उनकी कला को देखते हुए उनकी ड्यूटी बतौर म्यूजिक इंचार्ज जेल रोहतक में कर दी। फिलहाल उनकी ड्यूटी मेवात जेल में हैं। वह समाज को नई दिशा देने के मकसद से संस्कृति के लिए हरियाणवी में कार्यक्रम भी करते आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

चरखी दादरीवासियों को होली की शुभकामनाएं दी

चरखी दादरी। रासीवासिया धर्मशाला में 'झांसी की रानी एक प्रेरणा समूह' ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया। समूह की प्रेस प्रवक्ता कविता ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेशा अध्यक्ष प्रियंका प्रजापति ने की। समूह सदस्यों ने आपस में रंग गुलाल लगाया और नृत्य प्रतियोगिता में भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान प्रियंका प्रजापति व समूह के सदस्यों ने समस्त चरखी दादरीवासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी।

भारतीय कला संस्कृति का बज रहा डंकाः संजीव

भिवानी। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि भारतीय कला एवं संस्कृति का विश्व में डंका बज रहा है। संजीव कुमार ने कहा कि युवाओं को अध्यात्म और कला एवं संस्कृति का संगम प्रेरित कर रही है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार सायं हुड्डा पार्क में जिला में चार दिवसीय सप्तरंग रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय कला संस्कृति हमारी अति प्राचीनतम धरोहर है। इस अनूठी कला एवं संस्कृति को संजोग कर रखना हमारे लिए गौरव की बात है। डीआईपीआरओ ने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे भारतीय संस्कृति से प्राचीनतम संस्कारों को आत्मसात कर ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में विश्व के युवा अध्यात्म और संस्कृति की शिक्षा लेने के लिए भारत में आया करते थे।

श्रीअलख बाबा की निशान पदयात्रा निकाली

बहल। फाल्गुन महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रीअलख बाबा व श्रीश्याम बाबा की निशान पदयात्रा का आयोजन किया। श्रीश्याम बाबा की निशान यात्रा श्रीअलख गोशाला से लेकर श्रीश्याम मंदिर तक व श्रीअलख बाबा की निशान यात्रा सिवानी से लेकर बहल अलख आश्रम तक निकाली गई। बाबा के भक्तजनों ने दोनों ही आयोजनों में भाग लिया।

झरवाई में मातृ शक्ति को किया सम्मानित

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिवानी द्वारा एडीआर सेंटर के सभागार और गांव झरवाई में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये। एडीआर सेंटर के सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में महिलाओं के उत्थान, सशक्तिकरण और उनके अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई। म

श्रीराधे राधे महाराज आश्रम में भंडारे का आयोजन

चरखी दादरी। प्रेमनगर स्थित श्रीराधे राधे महाराज आश्रम में रविवार को भव्य हवन यज्ञ, सत्संग एवं भंडारे का आयोजन किया। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगणों ने भाग लिया और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। हवन का शुभारंभ श्रीराधे राधे महाराज श्रीभगवान के पावन सान्निध्य में किया गया।

विद्या नगर स्थित सांस्कृतिक सदन में समारोह का आयोजन

बार एसो. के नवनिर्वाचित पदाधिकारी किए सम्मानित

एसोसिएशन केवल अधिवक्ताओं का संगठन नहीं है, बल्कि यह न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। बार एसोसिएशन के नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

आदर्श ब्राह्मण सभा भिवानी के बैनर तले विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान में रविवार को विद्या नगर स्थित सांस्कृतिक सदन में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्यअतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष मुकेश गौड़ ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर चुनाव कमेटी के चयरमैन विनोद तंवर व सुमित जांगड़ा ने शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता पूर्व मंत्री डा. वासुदेव शर्मा ने की तथा मंच का संचालन अधिवक्ता सुमन शर्मा एवं पंकज शर्मा ने किया। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप तंवर, उपाध्यक्ष रेनू बाला सैनी, सचिव विनोद मुंढ़ाल, सह सचिव सोनू वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष कंचन रखेजा, ऑडिटर कन्हैयालाल, लाईब्रेरियन नीर कैलाश को पटका व पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर होली पर पानी बचाने की अपील की। इस मौके पर मुख्यअतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष मुकेश गौड़ ने कहा कि जिला बार एसोसिएशन केवल एक अधिवक्ताओं का संगठन नहीं है, बल्कि यह न्याय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मान समारोह अधिवक्ताओं के बीच आपसी सहयोग, समर्पण और नेतृत्व को प्रोत्साहित करता है। गौड ने कहा कि आमजन को न्याय दिलाने के लिए वे जिला बार एसोसिएशन के हर कार्य में उनका कंधे से कंधा मिलाकर साथ देंगे। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व मंत्री डा. वासुदेव शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम अधिवक्ताओं की एकता, नेतृत्व और न्याय व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सभा के संस्थापक आरके शर्मा, अध्यक्ष सुभाष कायला, ब्राह्मण विकास परिषद के अध्यक्ष सिल्कराम, चाणक्य मंच से राकेश गौड, 12 खाप प्रधान धर्मेंद्र शर्मा, पंडित सीताराम शर्मा पार्क समिति से राजकुमार शर्मा, लोकसेवा समिति से अधिवक्ता देवकांत, आस्था स्पेशल स्कूल से विजय शर्मा, सतीश धारेडू, अमित शर्मा, पार्षद अंकुर कौशिक, मंगतूराम बलियाली, मदन शर्मा, विनोद धारेडू, दीपक शर्मा, विजय खरकिया, प्रधान किशन कौशिक, बाबा साहेब एजुकेशन फाउंडेशन से जितेंद्र ग्रेवाल,ख्मुक्कु, अधिवक्ता सुभाष जिंदल, गणेश बंसल, देवेंद्र परमार, दिनेश वर्मा, सुधीर शर्मा, पवन गौतम, राजेश आर्य, दिनेश वर्मा, राजीव गौड, राधेश्याम हालुवास, विजय चौहान, कुलभूषण शर्मा, राजबीर मास्टर, संदीप शर्मा, प्रो. देवेंद्र, सत्यनारायण शर्मा, सागर अत्री, सक्षम गौड, नवीन कौशिक, श्रीकांत वशिष्ठ, सुरेंद्र सैनी, राकेश छपारिया, अमित सोनी, राजेंद्र कौशिक, रामोतार शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सावित्रीबाई फूले को किया नमन

- महिलाओं ने बच्चों की शादी दहेज मुक्त करने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। महिला शिक्षा की अग्रदूत सावित्रीबाई फूले को नमन करते वूमैन हैल्पिंग सोसायटी के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

वूमेन हैल्पिंग सोसायटी ने लाल महादेव मंदिर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि अन्नु जैन ने शिरकत की तथा महिलाओं को अधिकारों प्रति जागरुकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यतिथि अन्नु जैन, सोसायटी की संचालिका एवं प्रदेश अध्यक्षा सुशीला देवीसिंह, जिलाध्यक्षा ममता ने महिला शिक्षा की अग्रदूत माता सावित्रीबाई फूले के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम के समापन में सोसाइटी के सबसे सक्रिय सदस्य मनोज, काजल व प्रीति सराहनीय योगदान रहा। इस दौरान सोसाइटी के सहयोग से सैंटर फॉर साइट अस्पताल ने निःशुल्क आंखों की जांच शिविर का आयोजन कर दवाइयां वितरित की। इकार्यक्रम में पहुंचने वाले सभी अतिथियों का सोसायटी की तरफ से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। मुख्यतिथि अन्नु जैन व सोसायटी की प्रदेश अध्यक्षा सुशीला ने कहा कि महिलाएं दुनिया की आधी आबादी का हिस्सा है, वे किसी भी मामले में पुरुषों से कम नहीं है।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष ममता अरोड़ा, सुशील गोयत, काजल, प्रीति, पूनम, सरोज, मनोज गोयल, पिंकी व सोनिया आदि मौजूद रही।

प्रयास स्पेशल स्कूल में दिव्यांग बच्चियों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां

भिवानी। पुराना बस स्टैंड स्थित प्रयास स्पेशल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन पिंक थीम पर आयोजित किया। इस मौके पर विशेष तौर पर चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की इंटर्न छात्राएं मौजूद रही, जो प्रयास स्पेशल स्कूल से ट्रेनिंग ले रही है। उन्होंने देश की तरक्की एवं उन्नति में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए स्पेशल स्कूल की छात्राओं को अपने अधिकारों से अवगत करवाया। कार्यक्रम के दौरान इंटर्न छात्राओं ने शपथ ली कि वे भविष्य में काउंसिल फील्ड में महिलाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य करेंगी। मंच संचालन सीबीएलयू इंटर्न प्रगति ने की। कार्यक्रम के समापन पर प्रयास स्पेशल स्कूल की तरफ ने महिलाओं को उपहार भेंट किये। इस दौरान दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं।

कलश यात्रा निकाली जगह-जगह स्वागत

भिवानी। युवा मंडली श्रीश्याम प्राचीन मंदिर लोहड़ बाजार द्वारा रविवार को 25वां श्रीश्याम फाल्गुन मेला महोत्सव का आयोजन किया। इस दौरान प्रातः शोभा कलश यात्रा निकाली गई तथा रात्रि को हारे का सहारा बाबा श्रीश्याम कीर्तन का आयोजन किया। इस दौरान भंडारे का भी आयोजन किया। श्रीश्याम फाल्गुन मेला महोत्सव के तहत निकाली गई भव्य शोभायात्रा एवं संकीर्तन से पूरा नगर भक्तिमय माहौल में रंग गया। श्रद्धालुओं ने बड़ी आस्था एवं उत्साह के साथ श्रीश्याम प्रभु की आराधना की। इस मौके पर आचार्य सज्जन कौशिक ने कहा कि शोभा यात्रा की शुरुआत श्रीश्याम प्राचीन मंदिर लोहड़ बाजार से शुरू हुई ।

मित्र मिलन समारोह का आयोजन

- पैदल वाहिनी के सैनिकों ने देश की रक्षा में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका : संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा को सम्मानित करते 102 पैदल वाहिनी के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

स्वामी जीतू पतित पावन पाठशाला में रविवार को 102 पैदल वाहिनी पंजाब का 59वां स्थापना दिवस पर मित्र मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में 102 पैदल वाहिनी के पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में समाजसेवा की अनूठी मुहिम चलाए हुए शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा को सम्मानित किया। कार्यक्रम आयोजक संजय फौजी ने बताया कि 102 पैदल वाहिनी की भूमिका देश की सीमाओं को सुरक्षित करने में अग्रणीय रही है। फौजी ने बताया कि संकट के समय में पैदल वाहिनी के सैनिकों ने अपने शूरवीरता एवं पराक्रम दिखाकर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि पैदल वाहिनी के सदस्यों को इस बात का गर्व है कि उनकी जहां भी तैनाती रही, वह क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित रहा। अनेक वक्ताओं ने 102 पैदल वाहिनी में सेवारत्त रहते अपने अनुभवों को सांझा किया। पैदल वाहिनी के स्थापना दिवस पर एक-दूसरे को बधाई दी व संकल्प लिया कि देश के लिए सेवानिवृत्ति के बाद भी अगर पैदल वाहिनी के जाबांज सैनिकों की जरूरत महसूस की तो वे तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर मीडिया कॉर्डिनेटर सुरेश सैनी, प्रोफेसर अनिल तंवर, पूर्व सूबेदार मांगेराम, पूर्व सूबेदार सुरेश, सूबेदार सुधीर, सूबेदार जगमालसिंह, हवलदार धर्मवीर आदि मौजूद रहे।

जेसीआई भिवानी डायमंड ने निकाली रैली

- सकारात्मक सोच के साथ समाज उत्थान के लिए आगे बढ़े महिलाएं : जागृति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। महिला सुरक्षा एवं स्वावलंबन जागरूकता रैली निकालती जेसीआई भिवानी डायमंड की सदस्य।

जेसीआई डायमंड भिवानी ने पुराना बस स्टैंड स्थित नीजि रेस्तरां में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला सशक्तिकरण दिवस मनाया। यह जानकारी जेसीआई के मीडिया कोऑर्डिनेटर एवं युवा समाजसेवी अंशुल लोहिया ने दी। कार्यक्रम में मुख्यतिथि जागृति माहेश्वरी, संस्कृति जैन व सीमा जैन उपस्थित रही।

कार्यक्रम के बाद हांसी गेट, नया बाजार, फूलोंवाला चौक, सराय चौपटा, घंटाघर होते हुए नेकीराम पार्क तक महिला सुरक्षा एवं स्वावलंबन जागरूकता रैली निकाली गई। जेसी चेयरपर्सन सलोनी कसेरा ने बताया कि कार्यक्रम निदेशक जेसी अंजना लोहिया, जेसी सुरूचि सिंगल, जेसी डोली गर्ग, जेसी शाइन गोयल, जेजे भूमिका वैद, जेसी संगीता वेद, जेसी डॉ. रुचि अग्रवाल, जेसी पायल सिंगला ने बहुत ही अच्छा काम किया है। मुख्यतिथि जागृति माहेश्वरी ने कहा कि महिलाओं को अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए व सकारात्मक सोच रखनी चाहिए, उन्हें किसी भी हाल में घबराना नहीं चाहिए।

विशिष्ट अतिथि संस्कृति जैन व सीमा जैन ने बताया कि महिलाओं को अपने घर से बाहर निकल के समाज के कामों में आगे आना चाहिए व समाज में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में तरुणी गोयल, खुशी गुप्ता, श्रेय गोयल, वंश गुप्ता, शिवा गुप्ता, नीलम सुगला, उमा गोयल आदि मौजूद रहे।

सबसे ज्यादा शिक्षित बेटी को किया सम्मानित

- रिवाड़ी खेड़ा में रक्तदान एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन : राजेश कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

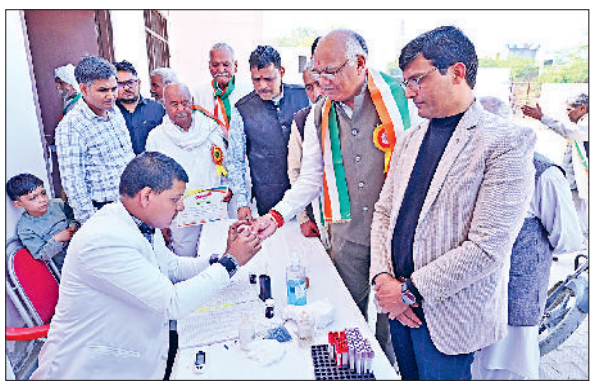

भिवानी। रिवाड़ी खेड़ा में आयोजित शिविर में लोगों की जांच करते चिकित्सक।

सम्मान एक प्रयास समिति के संस्थापक अध्यक्ष डा. राजेश कुमार ने बताया कि गाँव रिवाड़ी खेड़ा के सामुदायिक केंद्र में सम्मान समारोह और 14 वां रक्तदान, नेत्र, एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच (सुगर, एचबी, पीएफटी, पीईएफआर टेस्ट) शिविर का आयोजन सम्मान एक प्रयास समिति द्वारा किया गया।

सम्मान समारोह, रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. संजय गोयल प्राचार्य वैश्य कॉलेज भिवानी, बाबा नानक नाथ रिवाड़ी खेड़ा एवं ऋषिपाल प्रधान धामाण खाप 12 द्वारा रिबन काटकर किया गया। सम्मान समारोह का शुभारंभ रिवाड़ी खेड़ा से आयु में वरिष्ठतम महिला रामदेवी 107 वर्ष एवं पुरुष वर्ग में जयनारायण सिंह नम्बरदार 105 वर्ष व गाँव की सबसे ज्यादा शिक्षित बेटी सोनिया को सम्मानित कर किया गया।

मुख्य अतिथि ने डॉ. गोयल ने कहा कि समिति बहुत अच्छा कार्य कर रही है, स्वास्थ्य जांच कैंप में हर उस बिंदु को छुआ है जो स्वास्थ्य जांच में शामिल होनी चाहिए ।

संस्कारों को बढ़ावा दें

सम्मान एक प्रयास समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करने का हमारा उदेश्य आयु में वरिष्ठतम महिला एवं पुरुष को सम्मानित कर अच्छे संस्कारों को बढ़ावा देना, जाति धर्म और राजनीति से ऊपर उठकर प्रत्येक परिवार से मौजिज सदस्यों को एक मंच पर सम्मानित कर समाज की एकता को मजबूत करना, प्रत्येक युवा को रक्तदान के प्रति जागरूक कर समाज हीत कार्यों के लिए आगे लाना, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाकर प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना ताकि एक स्वस्थ परिवार समाज प्रदेश एवं देश का विकास हो सके।

देशभर से पहुंचे संत महात्मा

- हमारी सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं को संरक्षित रखते हैं धार्मिक आयोजन : वेदनाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। आयोजित हवन में आहुति देते मंहत। *फोटो: हरिभूमि*

छोटी काशी में प्रसिद्ध सिद्ध पीठ जोगीवाला शिव मंदिर धाम में बाबा मेहुनाथ महाराज व बाबा बनवारी नाथ की स्मृति में आयोजित वार्षिक उत्सव एवं भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर से संत महात्मा व हजारों की संख्या में श्रद्धालु गण पहुंचे।

इस अवसर पर हजारों की संख्या में संत महात्मा यहा पहुंचे थे। जिससे अर्ध महाकुंभ जैसा माहौल आज छोटी काशी में बना हुआ था। सभी देश भर से पहुंचे संत महात्माओं को प्रसाद ग्रहण करवाया गया तथा उन्हें अंग वस्त्र सीपी देकर सम्मान दिया गया। विराट भंडारे से पूर्व मंदिर परिषद में सुबह स्वच्छ पर्यावरण, प्रकृति संरक्षण और जल संरक्षण को लेकर एक कुण्डीय यज्ञ हवन किया गया। जिसमें जोगीवाला शिव मंदिर धाम के महंत वेदनाथ महाराज, प्रदीप नाथ, कपिल नाथ, गोपालनाथ व केशव नाथ सहित अनेक संतों व श्रद्धालुओं ने यज्ञ हवन में आहुति डाली और स्वच्छ पर्यावरण के लिए कामना की।

महंत वेदनाथ महाराज ने कहा कि सदियों से संत महात्मा ऋषि मुनियों का जप और तप जनहित को समर्पित रहा है।

असफलता स्पीड ब्रेकः सांगवान

- सपनों को पूरा करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करें : सांगवान

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। विद्यार्थियों को संबोधित करते मास्टर रविन्द्र। *फोटो: हरिभूमि*

जीवन में अगर कुछ पाना है तो उसके लिए केवल सपने देखना भर काफी नहीं, बल्कि अपने लक्ष्य को निर्धारित कर आगे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाना पड़ता है, कोई एक सपना जो खुली आंखों से देखा जाए, वो सहज ही पूर नहीं होता, बल्कि उसे पूरा करने के लिए कई बार रातों की नींद तक कुर्बान करनी पड़ती है, तब जाकर सफलता हासिल होती है, ये बात शिक्षाविद मास्टर रविंद्र सांगवान बादल ने कही। वे गांव बलाली के बालानाथ योगाश्रम परिसर में जनता महाविद्यालय की एनएसएस यूनिट द्वारा साप्ताहिक शिविर में बतौर मुख्यतिथि एवं कैरियर काउंसलर शिरकत कर स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार इसके बीच असफलता के पड़ाव भी आते हैं, लेकिन वो केवल स्पीड ब्रेकर हैं, जो सही तरीके से संतुलित होकर सकारात्मक रूप से आगे बढ़ेगा अवश्य ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर ही दम लेगा। शिविर के प्रमुख संयोजक डॉ. अरूण पिलानिया, डॉ. अमरजीत, आचार्य देवी सिंह व कैडटेस ने उनका स्वागत किया। मास्टर रविंद्र ने कहा कि जब आपके पास स्पष्ट, ठोस लक्ष्य होते हैं, तो आपका हर कदम प्रेरणा का स्त्रोत बन जाता है।

प्रत्येक कर्म बीज के समान, जैसा बोएंगे वैसा ही फल पाएंगेः जैन

हमारे जीवन की दिशा एवं दशा कर्मों पर निर्भर

- परिस्थितियों पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता : आनंद मुनि

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। नगर की सीमा पर जैन साधुओं का स्वागत करते जैन समाज के महिला, पुरुष एवं बच्चे। *फोटो: हरिभूमि*

संसार और हमारे जीवन में घटित हो रही घटनाओं एवं बदल रही परिस्थितियों पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता है, हम उन्हें घटने से नहीं रोक सकते हैं, लेकिन इस संपूर्ण सृष्टि में जिस वस्तु पर हमारा सबसे ज्यादा नियंत्रण है या हो सकता है, तो वह है हमारे अपने कर्म। यह मनुष्यों का सबसे बड़ा सौभाग्य है कि उनके कर्म, स्वयं उनके वश में होते हैं। हम उन्हें सुधार या बिगाड़ सकते हैं। हमारे जीवन की दिशा और दशा कर्मों पर निर्भर करता है, ये बात नगर प्रवेश के दौरान उपप्रवर्तक आनंद मुनि महाराज, प्रवचन दिवाकर दीपेश मुनि महाराज ने जैन श्रद्धालुओं को कही

अच्छी सोच से बदल जाती है जिंदगी

जैन मुनि ने कहा कि हम जब कर्म ठीक कर लेते हैं तो हमारी सोच अच्छी हो जाती है, बल्कि हमारी पूरी जिंदगी ही बदल जाती है। प्रत्येक कर्म बीज के समान होता है, जैसा बीज हम बोएंगे, वैसा ही फल पाएंगे। जैन श्रद्धालुओं ने जैन उद्घोषों के द्वारा दोनों साधुओं का बड़े जैन स्थानक छोटी बाजारी चरखी दादरी में भव्य मंगल प्रवेश करवाया। आज के अल्पाहार की व्यवस्था इंद्र जैन परिवार ने की। एसएस जैन सभा के प्रधान इंद्र जैन ने बताया कि आगामी कुछ महीनों के लिए गुरुजी यहीं विराजमान रहेंगे और प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे तक प्रवचन रहेगा। होली अनुष्ठान कार्यक्रम 11 मार्च से 13 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 3 से 4 बजे तक रहेगा। प्रवचन दीवाकर दीपेश मुनि ने कहा कि दुनिया में कोई भी इंसान अपने जन्म से भाग्यशाली नहीं होता है, उसे भाग्यशाली बनाते हैं उसके 'कर्म', इसलिए कभी भी मनुष्य को अपने स्थान पर अपने रूप पर या अपने कुल पर गर्व नहीं करना चाहिए। जीवन में सब कुछ विपरीत ही होता चला जा रहा है। हम चीजों को परिस्थितियों को जितना संभालने की कोशिश करते हैं, वह उतनी ही बिगड़ती चली जाती हैं। हमारा मनोबल अंदर से टूटता-सा प्रतीत होने लगता है, इन परिस्थितियों में हमारे अपने भी साथ छोड़ जाते हैं। हमें हमारे अच्छे एवं बुरे दोनों कर्मों का फल अवश्य मिलता है। इस अवसर पर जैन समाज की पुरुष महिलाएं व बच्चे उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

पदोन्नति पर राजेश कुमार झाझड़ीया को दी बधाई

तोशाम। हरियाणा के राज्यपाल के आदेशानुसार हरियाणा सिविल सचिवालय के राजेश कुमार झाझड़ीया को मंत्री सचिव के पद पर पदोन्नति मिली है। सरकार ने तत्काल प्रभाव से उनके प्रमोशन के आदेश जारी किए। राजेश कुमार झांझडिया की पदोन्नति पर अखिल भारतीय झाझडिया ट्रस्ट के चेयरमैन एवं पर्यटन विकस मंच के चेयरमैन राजेश गारनपुरा ने बधाई दी तथा कहा कि यह समस्त झाझडिया परिवार के लिए खुशी की बात है। राजेश गारनपुरा ने बताया कि राजेश कुमार झाझड़ीया ने 8 अगस्त 1995 को सरकारी सेवा में प्रवेश किया था और वर्तमान में वे मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेन्द्र सिंह के निजी सचिव के तौर पर कार्यरत हैं। इससे पहले वे 2019 से 2024 तक पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और 2014 से 2018 तक मुख्यमंत्री के ओएसडी कैप्टन भूपेंद्र सिंह के साथ कार्य कर चुके हैं। झांझडिया को उनकी जनसेवा के प्रति निष्ठा और समर्पण के लिए जाना जाता है।

अवैध शराब लेकर आते दो को किया गिरफ्तार

भिवानी। थाना सदर भिवानी के अंतर्गत पुलिस चौकी खरक कला के मुख्य सिपाही प्रदीप कुमार अपनी टीम के साथ गश्त पड़ताल ड्यूटी बस अड्डा खरक कला मौजूद थे जो पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि मारुति वैन में भारी मात्रा में अवैध शराब भरकर दो व्यक्ति गांव मालपोश से खरक की तरफ आ रहे हैं पुलिस टीम ने नाकाबंदी करके सूचना के आधार पर एक मारुति वैन को रुकवाकर उसमें से अवैध शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों की पहचान गौतम निवासी खरक कला जिला भिवानी व लोकेश निवासी खरक कला जिला भिवानी के रूप में हुई है। मारुति गाड़ी को पुलिस कब्जे में लेकर गाड़ी से 20 पेटी अवैध शराब देशी व 01 पेटी अवैध शराब अंग्रेजी बरामद की गई है।

राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मुस्कान व भाग्यश्री ने जीता स्वर्ण पदक

रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने स्वर्ण पदक विजेता बेटियों को किया सम्मानित

- बेटियों के राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करना परिजनों, जिला, प्रदेशवासियों के लिए गौरव का क्षण : सिंगला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक विजेता मुस्कान व भाग्यश्री को सम्मानित रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-23 के पदाधिकारी व सदस्य।

रविवार को रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-23 ने 23वीं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की शॉटपुट स्पर्धा में गोल्ड मेडल विजेता मुस्कान श्योराण व 100 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल विजेता भाग्यश्री को सैक्टर-23 में सम्मानित किया। दोनों पदक विजेता खिलाड़ी बेटियों को सैक्टर-23 की तरफ से स्मृति चिह्न भेंट किए और उनके पिता रमेश श्योराण व सुरेश जांगड़ा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में मंच संचालन आनंद प्रिंसिपल ने किया।

इस मौके पर सैक्टर-23 आरडब्ल्यूए के प्रधान एवं रिटायर्ड एक्सईएन सज्जन सिंगला ने कहा कि ये सैक्टर-23 के लिए गौरव की बात है कि उनकी बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन कर रही है। इन बेटियों ने कभी भी अपनी दिव्यांगता को आड़े नहीं आने दिया और उन्हें विश्वास है कि ये बेटियां एक दिन पैरा ओलंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। आरडब्ल्यूए के लीगल सैल एडवाइजर व पूर्व बार प्रधान अधिवक्ता राकेश नेहरा ने कहा कि दोनों बेटियों के पिता बधाई के पात्र है, जिन्होंने खुद इन लड़कियों के लिए दिन-रात मेहनत की और आज उनके मां-बांप को इन बेटियों के नाम से जाना जाता है, आज बेटियां बेटों से आगे बढ़कर हर क्षेत्र में नाम कमा रही है। वे इन बेटियों को आर्शीवाद देते है कि वे पैरा ओलंपिक में भी मेडल लाए और सेक्टरवासी इसी तरह उन्हें सम्मानित करें। उन्होंने कहा कि बेटियां अब बोझ नहीं, मां-बाप का सम्मान एवं अभिमान है, क्योंकि आज बेटियों किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं, बल्कि आगे हैं। इस अवसर पर सैक्टर के सबसे बुजुर्ग अजीत बेनिवाल, ताराचंद यादव, राजकुमार जांगड़ा, डॉ. विजय सनसनवाल, पदम परमार, प्रमोद मास्टर, कृष्ण डबास, अजय सांगवान, धर्मबीर सिवाच, रोशनी देवी, राजेंद्र, जयबीर, हितेंद्र वशिष्ठ, राजेश बडेसरा, कुलदीप, पवन भोलू, कृष्ण, बलवान डीपीई, देशराज, विक्रम मास्टर, रामचंद्र धारीवाल आदि ने भी बेटियों को आर्शीवाद दिया।

डॉ. प्रवीण ने लगातार दूसरी बार ऑल इंडिया सिविल सर्विसीज गेम्स में जीता गोल्ड

भिवानी। चंडीगढ़ के सेक्टर-42 स्थित स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में 5 से 8 मार्च तक आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसीज योगा चैंपियनशिप में भिवानी के पशु चिकित्सक प्रवीण ठाकन ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता। इस उपलक्ष्य में पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. रविंद्र सहरावत व उपमंडल अधिकारी डॉ. अशोक गुप्ता ने उन्हें बधाई दी। डॉ. रविंद्र ने बताया कि हरियाणा के पशु चिकित्सक दिन-रात पशुओं व गायों की सेवा के साथ-साथ खेलों में भी प्रदेश का मान बढ़ा रहे है। डॉ. प्रवीण ने बीते वर्ष दिल्ली में हुई प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता था और लगातार दूसरी बार भी गोल्ड मेडल जीतकर न केवल पशुपालन विभाग, बल्कि समस्त जिला व प्रदेश का नाम देशभर में गौरवांवित किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि डॉ. प्रवीण ठाकन भविष्य में होने वाली प्रतियोगिता में विभाग का यूं ही नाम रोशन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सक की अपनी ड्यूटी के अलावा अन्य गतिविधियों में उपलब्धियां अन्य कर्मचारियों को भी समाज एवं राष्ट्र का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित करती है।

भिवानी। पीटीआई प्रवीण भारद्वाज को सम्मानित करते जिला शिक्षा अधिकारी।

स्वर्ण पदक विजेता टीम के पीटीआई प्रवीण को डीईओ ने किया सम्मानित

भिवानी। भिवानी के जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने कहा कि शारीरिक शिक्षक न केवल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास में योगदान देते हैं, बल्कि उनके मानसिक एवं सामाजिक विकास को भी प्रोत्साहित करते है। डीईओ बीते दिनों उत्तराखंड में आयोजित 38वें नेशनल गेम्स में गांव भाखड़ा स्थित राजकीय वमा विद्यालय के पीटीआई प्रवीण भारद्वाज ने हरियाणा नेटबॉल टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई, जिसके लिए डीईओ ने उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि शारीरिक शिक्षक बच्चों को व्यायाम, खेल और स्वस्थ जीवनशैली की आदते सिखाते हैं, जिससे वे जीवनभर फिट और सक्रिय रह सकते हैं। शारीरिक शिक्षक हमारे समाज के लिए अमूल्य योगदान देते हैं, इसलिए उन्हें उचित सम्मान और पहचान मिलनी चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी भारद्वाज ने कहा कि पीटीआई प्रवीण के कुशल नेतृत्व में हरियाणा की टीम ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया है। उन्होंने कहा कि जब कोई खिलाड़ी प्रतियोगिता में पदक जीतकर लाता है, वह सम्मान का हकदार होता ही है। साथ-साथ ही उनके कोच का भी सम्मान करना जरूरी है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरियाणा टीम की जीत का श्रेय पीटीआई प्रवीण ने हरियाणा नेटबॉल ऐसोसिएशन के प्रधान हरिओम कौशिक को दिया। इस मौके पर पीटीआई राकेश भारद्वाज भी मौजूद रहे।

पूर्व जिला खेल अधिकारी कालीरामन ने राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स में जीते तीन पदक

भिवानी। कर्नाटक के बैंगलूर में 4 से 9 मार्च तक आयोजित 45वीं राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया। प्रतियोगिता में चार हजार से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बाबा भैरूनाथ अकेडमी चौधरी खेमचंद स्टेडियम बुसान के संचालक एवं पूर्व जिला खेल अधिकारी जयसिंह कालीरामण ने 65 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष वर्ग में चक्का फेंक में 10वीं बार स्वर्ण पदक जीता। पूर्व डीएसओ कालीरामण ने गोला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण तथा भाला फेंक में कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा उन्होंने 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड़ में चौथा स्थान प्राप्त किया। पूर्व डीएसओ जयसिंह कालीरामण अब जून-जुलाई में इण्डोनेशिया में होने वाली एशियन मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगे। पूर्व डीएसओ कालीरामण ने अपनी सफलता का श्रेय बाबा पूर्णनाथ व स्टेडियम के बच्चों को दिया, क्योंकि स्टेडियम के बच्चे उनका अभ्यास करवाते हैं। वहीं धर्मसिंह संडवा ने प्रतियोगिता में 70 वर्ष आयु में पांचवा स्थान प्राप्त किया।

भिवानी। जिला बार एसोसिएशन के नवनियुक्त पदाधिकारियों व पूर्व सैनिकों को सम्मानित करते नौरंगाबाद जनकल्याण एवं सहयोग समिति व ग्राम पंचायत सदस्य।

जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारी किए सम्मानित

- नौरंगाबाद जनकल्याण एवं सहयोग समिति व ग्राम पंचायत के सहयोग से सम्मान समारोह का आयोजन
- समाज व राष्ट्र सेवा की दिशा में किए कार्यों को प्रोत्साहन देते है सम्मान समारोह : फौजी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

गांव नौरंगाबाद स्थित प्रजापति धर्मशाला में रविवार को ग्राम पंचायत एवं नौरंगाबाद जनकल्याण एवं सहयोग समिति के सहयोग से सम्मान समारोह का आयोजन किया। समिति के प्रधान सत्यनारायण सैनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि सरपंच प्रतिनिधि इंद्रसिंह फौजी ने शिरकत की।

इस दौरान जिला बार एसोसिएशन भिवानी की उपप्रधान रेनूबाला सैनी, सहसचिव सोनू वशिष्ठ, हरियाणा रोडवेज से रिटायर्ड राजकुमार, मुकेश फौजी भारतीय सेना, शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त कश्मीरीलाल जांगड़ा को पटका पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। सरपंच प्रतिनिधि इंद्रसिंह फौजी ने कहा कि ऐसे समारोह से समाजहित के कार्यों को बल मिलता है तथा अन्य लोग भी समाजसेवा की दिशा में बढ़-चढ़कर कार्य करते है। समारोह अधिवक्ताओं की एकता, नेतृत्व और न्याय व्यवस्था में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो अधिवक्ता समुदाय के मनोबल को ऊंचा उठाने और सकारात्मक वातावरण बनाने में सहायक होता है।

समिति के प्रधान सत्यनारायण सैनी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम आपसी एकता और सहयोग की भावना को बल देते है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व सरपंच राजेंद्र, पूर्व सरपंच रामकुमार शर्मा, पूर्व चेयरमैन रामोतार शर्मा, अरूण शर्मा, विष्णु तंवर, गांधीराम सैनी, रिटायर्ड प्राचार्य सतबीर सैनी, जगदीश सैनी, पंडित सुधनराम, हरकेश शर्मा, मास्टर शिवकुमार, भोलू प्रजापत, मास्टर सुखबीर, हवासिंह धानक, सुखीराम जांगड़ा, रामशरण शर्मा, नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी एवं पर्यावरण प्रेमी जेई बिजेश जावला आदि मौजूद रहे।

श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल की निशा ने नेवी प्रतियोगिता परीक्षा में पाई सफलता

बहल। कस्बे के श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा निशा कुमारी ने नेवी की प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता हासिल की है। निशा ने एक्स और वाई दोनों ग्रुप्स में शानदार प्रदर्शन किया है। निशा की सफलता पर विद्यालय में जश्न सा माहौल है। विद्यालय चेयरमैन डॉ. विरेन्द्र श्योराण, सुशील केडिया व प्राचार्या नीलू जे तेवतिया ने निशा को उसकी सफलता पर बधाई दी है। प्राचार्या नीलू ने बताया कि निशा शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है। उसने हाल ही में नेवी प्रतियोगिता परीक्षा के दोनों ग्रुप्स में सफलता हासिल की है। निशा की सफलता का श्रेय उसकी मेहनत, विद्यालय शिक्षक व कैरियर काउंसलिंग टीम को दिया।

लाइफ स्टाइल से गड़बड़ाया इम्युनिटी पॉवर का गणित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के पूर्व जनरल मेडिसन के चिकित्सक संजीत सुखीजा (एमबीबीएस,एमडी) ने कहा कि लोगों को बीपी, शुगर, थाईराइड, हर्ट की समस्या आदि बीमारी लोगों को जकड़ रही है। हंसते-खेलते लोगों की जान जा रही है। इनमें बुजुर्गो के साथ युवाओं की संख्या भी बहुत ज्यादा है। उन्होंने रविवार को दिनोद गेट स्थित अंचल नर्सिग होम में अपनी नियमित सेवाएं शुरू करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में हर किसी व्यक्ति की लाइफ स्टाईल पूरी तरह से बदल चुकी है। दिन भर ज्यादा समय तक बैठे रहना। उलट पुलट खाना खाने के बाद व्यायाम से दूरी बनाए रखना। बीमारियों को न्यौता दिया जा रहा है। दिन प्रतिदिन लोगों की बदल रही लाइफ स्टाइल ने लोगों की इम्युनिटी सिस्टम को ही गड़बड़ा दिया। जिस वजह से रेयर बीमारी दिखने वाली थी, अब रूटीन में आमजन उन बीमारियों के लपेटें में आ रहे है।मोटापा व बदली लाइफ स्टाइल इन बीमारियों के जिम्मेदार। उन्होंने लोगों से आहवान किया वे लाईफ स्टाइल बदलकर रोजाना कम से कम 30 मिनट तक व्यायाम करें। ताकि असंतुलित दिनचर्या को पटरी पर

क्या कहते हैंअस्पताल प्रबंधक

अंचल नर्सिंग होम के प्रबंधक डा. विनोद अंचल ने बताया कि अब शहर के लोगों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के पूर्व जनरल मेडिसन के डॉ संचित सुखीजा एमबीबीएस व महिला संबंधी रोगो के लिए डॉ प्रियंका एमबीबीएस,एमएस डीएनबी ओबीजीवाई, लेपरोस्कॉपिकक सर्जन की सेवाये अब भिवानी के अंचल हॉस्पिटल में मिलेंगी। अगर आप दिल संबंधी बीमारी , शुगर, बीपी लीवर आदि बीमारी से ग्रस्त है तो डॉ संचित सुखीजा व महिलाओं संबंधी बीमारी के लिए डॉ प्रियंका सेवाएं देंगी।

हारमोन असंतुलित होने से महिलाओं की बढ़ रही समस्याएं

दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल के एमबीबीएस, एमएस एवं लेपरोस्कॉपिक सर्जन डॉ प्रियंका ने रविवार को अंचल नर्सिगं होम में कार्यभार ग्रहण किया और कहा कि पुरुषों के साथ साथ महिलाओं की भी लाइफ स्टाईल पूरी तरह से बदल गई है। महिलाओं में मोटापा, बदली लाईफ स्टाईल तथा व्यायाम से दूरी बनाने की वजह से उनके हारमोन सिस्टम पूरी तरह से गड़बड़ा गए है। हारमोन असंतुलित होने से कभी अंडे ज्यादा बनने तो कभी अंडें कम बनने की वजह से लगातार बांझपन की समस्या बढ रही है। इनके अलावा हारमोन की वजह से पिरीयड भी असंतुलित हो रहा है। सफेद पानी भी इसी की देन है। अधिकांश महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति कतई गंभीर नहीं है। अगर महिला स्वस्थ होगी तो स्वस्थ बच्चे को जन्म देगी। उन्होंने बताया कि कई बार देखने में आया है कि महिलाओं को गर्भधारण की जानकारी तो होती है,लेकिन वे समय समय पर उसकी जांच नहीं करवाती। उनकी लापरवाही की वजह से ही महिला को इनफेक्शन आदि की समस्या बन जाती है। शरीर में इनफेक्शन होने की वजह से समय से पहले बच्चों को जन्म देना पड़ रहा है।

भारत को विकसित करने का सपना 2047 से पहले ही पूरा हो जाएगा: राज्यपाल

- गांव बापोड़ा में एक ऐसी महान विभूति पैदा हुई है जिसने पहले जनरल रहते हुए देश की रक्षा की : सांसद

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। गांव बापोड़ा में पार्क का उदघाटन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मिजोरम के राज्यपाल डॉ जनरल वीके सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सीमाएं सुरक्षित है। भारत को विकसित करने का सपना 2047 से पहले ही पूरा हो जाएगा। इसके लिए हम सब को एक साथ मिलकर पूरा करना होगा। राज्यपाल डां वीके सिंह ने कहा कि मेरा आज भी मेरे गांव के साथ एक अटूट रिश्ता है।

राज्यपाल जनरल वीके सिंह दिल्ली से भिवानी (बापोड़ा) गांव में आए। जहां ग्रामिणों ने राज्यपाल जनरल डां वीके सिंह का गांव में पहुंचने पर फूल मालाओं एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। वीके सिंह अपने पैतृक गांव में बने सावित्री देवी पार्क का उद्घाटन और महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। राज्यपाल जनरल डां वीके सिंह ने मामराज सिंह के द्वारा अपनी मां की याद में बनवाए गए पार्क का उद्घाटन किया। उन्होंने महाराणा प्रताप की प्रतिमा के अनावरण पर कहा है कि हमने आज यहां एक ऐसे देशभक्त की प्रतिमा लगाई है जिसमें त्याग, एवं देशभक्ति की भावना भरी हुई थी। सांसद धर्मवीर सिंह कहा कि मेरा भी बापोड़ा गांव से पुराना नाता है । गांव बापोड़ा में एक ऐसी महान विभूति पैदा हुई है जिसने पहले जनरल रहते हुए देश की रक्षा की।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

प्रथम कुश्ती आशीश व सोमवीर की बराबर रही

चरखी दादरी। गांव ढ़ाणी फौगाट में फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष नवमी को बाबा जोतनाथ मंदिर में ग्राम पंचायत ढाणी फौगाट एवं ग्राम पंचायत टिकान कला की तरफ से हवन यज्ञ की आहुतियां एवं मंत्रोच्चारण के साथ कुश्ती दंगल एवं भंडारे का आयोजन किया गया। दूर-दराज क्षेत्र से भारत के अनेकों हिस्सों से बड़ी संख्या में पहलवान पहुंचे। प्रथम कुश्ती आशीश और सोमवीर की बराबर रही। दूसरी कुश्ती हिमांशु टिकाण कला ने जीती। तीसरी कुश्ती में भी प्रतीक टिकाण कला ने बाजी मारी। प्रथम कुश्ती एक लाख, दूसरी कुश्ती, 51000 रुपये ने खूब तालियां बटौरी। पहली, दूसरी और तीसरी कुश्ती में खूब दाव पेंच देखने को मिले। उमेद पातुवास विधायक बाढ़ड़ा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस अवसर पर दादरी प्रधान सुरेश फौगाट, अभिमन्यु फौगाट भालौट से, गाँव टिकान व ढाणी फौगाट के सभी पंच, पूर्व सरपंच, पूर्व पंच, सरपंच, पूर्व सरपंच कला सिंह, पूर्व सरपंच अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

- प्रथम कुश्ती एक लाख, दूसरी कुश्ती, 51000 रुपये ने खूब तालियां बटौरी।

भिवानी। स्वयंसेविकाओं को संबोधित करती डॉ. आयुषी। फोटो हरिभूमि

नेल आर्ट में कल्पना, थ्री लैग रेस में सोनिया एवं खुशबू तथा लेमन रेस में प्रीति प्रथम

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के चौथे दिन की शुरुआत कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर रेनूबाला एवं प्रोफेसर मंजू के नेतृत्व में हर्षोल्लास के साथ की। कार्यक्रम में बतौर अतिथि डॉ. आयुषी ने स्वयंसेविकाओ को महावारी के समय स्वच्छता के बारे में बताया।इसके बाद ड्रग एब्यूज पर नेल आर्ट प्रतियोगिता करवाई, जिसमें कल्पना प्रथम, अनू द्वितीय व पूजा एवं दीपांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद स्वयंसेविकाओ ने मिलकर दोपहर का भोजन किया। तत्पश्चात ड्रग एब्यूज पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता करवाई। सायंकाल में खेलकूद प्रतिस्पर्धा की 100 मीटर रेस में प्रिया प्रथम, योगिता द्वितीय और पूजा तृतीय स्थान पर रही। वहीं स्लो साइकिल रेस में योगिता ने प्रथम, सोनिया ने द्वितीय और लवीना ने तृतीय स्थान जीता। लेमन रेस में प्रीति ने पहला व पायल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीन पैर वाली रेस में सोनिया एवं खुशबू प्रथम, पूजा एवं प्रिया द्वितीय और योगिता एवं किरण तृतीय स्थान जीता। शाम के समय चाय नाश्ता करवाया।

योजना जंगलों को संरक्षित करने एवं स्थायी संसाधन उपयोग को बढ़ावा मुहिम का उद्देश्य: गुलाटी

लकड़ी आधारित दाह संस्कार को गौकाष्ठ के उपयोग से बदलने की योजना

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने ग्रीन श्मशानों के विस्तार को दिया समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण आज विकट समस्या बनता जा रहा है, जिसका प्रमुख कारण प्रकृति का अत्याधिक दोहन है, ऐसे में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए तेजी एवं गंभीरता से कदम उठाने होंगे। इसी कड़ी में हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूरे प्रदेश में ग्रीन शमशानों के विस्तार को समर्थन दिया है, जिसके तहत पारंपरिक लकड़ी आधारित दाह संस्कार को गौकाष्ठ (गोबर के डंडे) के उपयोग से बदलना है, जिससे पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकें, ये पहल हरियाणा सरकार के पूर्व स्पेशल मुख्य सचिव रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सुनील के गुलाटी ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सिरसा जिले के विभिन्न गांवों में पहले ही ग्रीन शमशानों को सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति ललित बत्रा, सदस्य कुलदीप जैन और दीप भाटिया ने अपने आदशों में इस पहल के लिए प्राधिकरण निधि के उपयोग की कानूनी वैधता को दर्ज किया। योजना का समर्थन हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग आनंद मोहन शरण आईएएस ने भी किया, जिन्होंने इसके क्रियान्वयन पर कोई आपत्ति नहीं जताई। इस बारे में जानकारी देते हुए हरियाणा सरकार के पूर्व स्पेशल मुख्य सचिव सुनील के गुलाटी ने बताया कि इस मुहिम का उद्देश्य लकड़ी पर निर्भरता कम करना, वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों की उपलब्धता से वन आश्रितों समुदायों की आर्थिक स्थिति में सुधार, जंगलों को संरक्षित करने और स्थायी संसाधन उपयोग को बढ़ावा देने में सहायता है। उन्होंने बताया कि वन अनुसंधान संस्थान देहरादून द्वारा किए अध्ययन से पुष्टि हुई है कि इस विधि से केवल 60 किलोग्राम गौकाष्ठ की आवश्यकता होती है, जबकि पारंपरिक दाह संस्कार में 500 से 600 किलोग्राम लकड़ी लगती है, ये विधि कम लागत वाली धुआं रहित एवं प्रतिकूल मौसम में प्रभावी है। प्राधिकरण के अनुसार ये निधि वन संरक्षण और संसाधन बचत उपकरणों को बढ़ावा देने के लिए लिए उपयोग की जा सकती है।

परियोजना के लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं: गुलाटी

गुलाटी ने कहा कि ये पहल न केवल मानव दाह संस्कार के लिए बल्कि पशुओं, पालतू जानवरों और गौवंश के लिए भी उपयुक्त होगी, इसके लिए कोई अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है, इसीलिए ग्रीन शमशान मौजूदा शमशान स्थलों पर ही स्थापित किए जा सकते है। परियोजना के लिए विकास एवं पंचायत विभाग ने अनुमान तैयार कर लिया है, जिसे संबंधित अधिकारियों के पास समीक्षा के लिए भेजा है। एचएचआरसी ने शहरी स्थानीय निकाय, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और गौसेवा आयोग को निर्देश दिया है कि वे इस परियोजना को सफल क्रियान्वयन के लिए समन्वय स्थापित करें। साथ ही सरकार जागरूकता अभियान भी शुरू करेगी, ताकि लोग ग्रीन शमशानों को अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें।